

प्रेषक:

पी०सी० शर्मा  
प्रमुख सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

संदा में:

प्रभारी महाप्रबन्धक,  
जिला उद्योग केन्द्र,  
पिथौरागढ़ / उत्तरकाशी / चमोली।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 28 दिसम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु जिला योजना "कार्टिंग/वीथिंग प्लान्टों का सुदृढीकरण" में धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

गोप्यत्व:

उपर्युक्त विषयक निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या 3010/बजट-08/राजप्ला0/2007-08 दिनांक 1 दिसम्बर, 2007 एवं राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 405/राजप्ला0/जि0गो0/2007-08 दिनांक 13 नवम्बर, 2007 के संदर्भ में गुड़ी यह कहने का निदेश हुआ है कि उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड को वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आयोजनागत पत्र के दायरे में राशि के अधीन जिला योजना कार्टिंग/वीथिंग प्लान्टों का सुदृढीकरण के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ हेतु ₹ 7.00 लाख, जनपद उत्तरकाशी हेतु ₹ 4.30 लाख तथा जनपद चमोली हेतु ₹ 0.10 लाख काय हेतु आपके नियंत्रण पर रखे जाने की श्री राजभाल सूर्य स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्देश पर इस आशय से रखी जा रही है कि धनराशि के व्यय की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति शासनादेश संख्या: 405/राजप्ला0/जि0गो0/2007-08 दिनांक 13 नवम्बर, 2007 में उल्लिखित प्रावधानों के अन्तर्गत प्राप्त की जायेगी। व्यय में मितव्ययिता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवश्यक किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिससे व्यय करने पर बजट में नुस्खे अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय सही मंडी में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय करते समय स्टोर पर्यज सुल्हा/टेन्डर/कोटेशन/डी0जी0एस0एफ0 डी0 के नियमों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक: 31.03.2008 तक उपयोग कर लिया जायेगा। अर्थात् तक स्वीकृत धनराशि का मंदार विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कर दिया जायेगा। व्यय के प्रस्ताव यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2008 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का वार्षिक व्यय विवरण शासन को प्रत्येक वर्ष प्रेषित किया जायेगा।

5- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि ये जिला योजना के अन्तर्गत आवंटित प्लान परिव्यय के अन्तर्गत हो और जिला योजना में अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय के अनुरूप ही हो।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-31 लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 03-कार्जिंग/बीविंग प्लान्टों का सुदृढीकरण-00-20-सहायक अनुदान/ अशदान/राज सहायता के नामे जाता जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 374/XXVII(2)/2007 दिनांक 18 दिसम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

पुष्टांकन संख्या: 6521(1)/VII-2/100-उद्योग/03, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी सम्बन्धित जनपद।
3. निजी सचिव, भा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पीढ़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
7. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़/उत्तरकाशी/चमोली।
8. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
9. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. वित्त अनुभाग-2
12. गार्ड-फाइल।

आज्ञा से.

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।